बड़े-बुजुर्ग

मांसपेशियों की कमजोरी से होता है हर्निया

वृद्धावस्था में पेट की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं. इस कारण आंत मांसपेशियों से बाहर की ओर निकल जाते हैं. इसे ही हर्निया कहते हैं. इस रोग का एकमात्र इलाज सर्जरी ही है.

हर्निया बुढ़ापे में होनेवाला एक सामान्य रोग है. यह समस्या अधिकतर पेट के किसी हिस्से में होती है. पेट की मांसपेशियां पेट के भीतरी अंगों जैसे आमाशय, छोटी तथा बड़ी आंत एवं मूत्राशय आदि को पेट में व्यवस्थित और सुरक्षित रखती हैं. यदि किसी कारण से पेट की मांसपेशियां कमजोर हो जायें, तो भीतरी अंग इस कमजोर हिस्से से मांसपेशियों के बाहर आ जाते हैं और यही हर्निया के रूप में उत्पन्न होते हैं. यह दूसरे हिस्से में भी हो सकती है, लेकिन मुख्य रूप से पेट में ही होती है.

क्या है उपचार

इस रोग का एक मात्र इलाज सर्जरी है, जो ओपन अथवा लेप्रोस्कोपिक दोनों प्रकार से संभव है. आजकल अधिकतर मामलों में लेप्रोस्कोपिक विधि से ही इलाज होता है. इसमें रोगी की रिकवरी बहुत जल्दी होती है. ऑपरेशन में पेट की दीवार की मरम्मत करते हैं तथा इसके लिए नायलॉन की जाली का भी प्रयोग करते हैं. ऑपरेशन न कराने की अवस्था में बहुत-सी जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं, जिनमें से ऑब्सट्रेक्शन (आंत का फंस जाना) तथा स्ट्रैग्यूलेशन(आंत का निर्जीव हो जाना) प्रमुख हैं. इन अवस्थाओं में आपातकालीन सर्जरी करनी पड़ती है. यह अवस्था घातक भी हो सकती है.

हर्निया के हैं कई प्रकार

यह पेट और जांघ के बीच में होता है. यह आंत द्वारा पेट पर दबाव डालने के कारण होता है. ऐसा होने पर तेज दर्द शुरू होता है. यह कई अन्य कारणों से भी होता है जैसे-1. आनुवंशिक 2. साइटिक फाइब्रोसिस 3. अत्यधिक चर्बी 4. कब्ज 5. आंत में मरोड़ 6. प्रोस्टेट ग्रंथि का बड़ा होना आदि. यह कई प्रकार का होता है, जैसे- इनग्यूनियल (जंघासा का हर्निया), अंब्लीकल (नाभि का हर्निया) तथा इन्सीजनल हर्निया आदि.

डॉ केएन श्रीवास्तव
सीनियर कंसल्टेंट एंड एचओडी, जेनरल एंड मिनिमल एक्सेसिव सर्जरी
बीएलके सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, नयी दिल्ली

की होल सर्जरी

की होल या लेप्रोस्कोपिक सर्जरी ओपन सर्जरी की अपेक्षा बहुत ही आसान है, क्योंकि इसमें मरीज जल्दी ठीक होकर अपनी आम दिनचर्या शुरू कर सकते हैं. इसमें ज्यादा दर्द भी नहीं होता है. इस तरह यह सबसे आधुनिकतम तकनीक है. इस प्रकार के इलाज में कमजोर मांसपेशियों को जरा भी परेशानी नहीं होती है और नेट को आधे इंच छेद के माध्यम से शरीर में स्थानांतरित कर दिया जाता है, जिसे हार्निया के रास्ते से ले जाया जाता है. इस प्रकार के इलाज में शरीर को कम-से-कम तकलीफ होती है और दर्द भी कम होता है. वास्तव में की होल सर्जरी ही इसके लिए एक प्रभावशाली तकनीक है.

ओपन सर्जरी है कष्टप्रद

आमतौर पर हर्निया के लिए ओपन सर्जरी काफी कष्टप्रद होती है. यह सर्जरी होने पर मरीज को औसतन 6 सप्ताह आराम की जरूरत पड़ती है. साथ ही इसके दोबारा विकसित होने की आशंका भी रहती है. ऑपरेशन असफल होने की स्थिति में मेडिकल की भाषा में बार-बार होनेवाले हार्निया को रिकरेंट हर्निया कहा जाता है. इसके मुकाबले लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में छोटा चीरा लगने के कारण रिकवरी काफी तेजी से होती है. इस कारण रोगी को तकलीफ भी काफी कम होती है. अतः इसके लिए ओपन सर्जरी कुछ विशेष परिस्थितियों में ही होती है. अतः रोग का पता चलने पर जल्द ही ऑपरेशन करा लेना चाहिए.

प्रस्तुति : विनीता झा, दिल्ली